BA Part III (GEN/Hons)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
KSS College B/Nagar

Lecture III

वृद्धों की समस्याओं का कारण => आधुनिक काल के युग में सामाजिक व्यवस्था में कई परिवर्तन होते जा रहे हैं। समाज एवं उसकी परिस्थितियां वृद्धों के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न करती हैं। वृद्धों की समस्या के लिए समाज की सामाजिक संरचना, बदलते हुए संस्कार एवं मूल्य आदि जिम्मेदार हैं। वृद्धों की समस्या का मूल कारणों को निम्न स्वरूपों में समझा जा सकता है -

1. नैतिक मूल्यों का ह्रास => नैतिक मूल्य किसी भी व्यक्ति को सही व गलत की पहचान करवाते हैं। इसमें गिरावट होने की स्थिति में व्यक्ति को सही व गलत की समझ समाप्त हो जाती है। भारतीय समाज में नैतिक मूल्यों के कारण व्यक्ति अपने से बड़े एवं वृद्धों का आदर एवं सम्मान करता रहा है, परन्तु वर्तमान समय में अक्सर नैतिकता से जुड़े -

2020-7-23 10:20

कीमतों व व्यवहारों में कमी देखी जाती है। इसी कारण परिवार में बहुओं में प्रति प्रेम भाव, सम्मान, लगाव एवं सेवा भाव के फल में कमी देखने को मिलती है जिसके फलस्वरूप बहुओं की समस्याएं बढ़ रही है।

2. अन्तर पीढ़ी संघर्ष :- बहुओं में अपने पारम्परिक संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति गहरा लगाव रहता है। यह अपने परम्परा एवं मूल्यों में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं चाहते। जबकि यही युवा पीढ़ी अपने लिए नये मूल्य, संस्कृति व मापदण्ड विकसित करते है। उनमें पारम्परिक संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति उदासीनता व विरोध का भाव देखने को मिलता है। जिसके कारण अक्सर अन्तर पीढ़ी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस अन्तर पीढ़ी संघर्ष के फलस्वरूप बहुओं की समस्याओं के प्रति युवा वर्ग उदासीन हो जाता है, परिणामस्वरूप बहुओं में समस्याएं उत्पन्न होने लगती है।

2020-7-23 10:20